Regarding hardships faced by SC, ST and minority students due to change in Scholarship Scheme enjoyed by them

श्री राजकुमार रोत (बांसवाड़ा) : सभापति महोदया, आपने मुझे एक गंभीर विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं । मेरा विषय है कि वर्तमान में छात्रवृत्ति में जो डिले हो रही है, उससे एससी, एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों को परेशानी हो रही है । छात्रवृत्ति में डिले होने की वजह से हमारे कई बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं । छात्रवृत्ति में डिले का दर्द मैं भी बखूबी समझता हूं । मैं भी गरीब परिवार से आता हूं । अगर मुझे भी छात्रवृत्ति नहीं मिलती तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता । राष्ट्रीय फेलोशिप योजना के तहत पिछली बार 165 करोड़ रुपये का प्रावधान था, लेकिन इस बार मात्र 2 लाख रुपये का प्रावधान वर्तमान बजट में किया गया है । एसटी बच्चों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के तहत पहले 5,99,00,000 रुपये का प्रावधान था ।

इस बार इसके लिए मात्र 10 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है ।

मैं राष्ट्रीय विधेयक छात्रवृत्ति योजना के संबंध में कुछ कहना चाहूंगा । वर्ष 2013 में हमारे देश से 1 लाख 90 हजार बच्चे विदेश पढ़ने जाते थे और अब 13 से 14 लाख बच्चे विदेश पढ़ने जाते हैं । वर्ष 2013 में एसटी छात्रों के लिए 20 सीट्स रिजर्व्ड थीं और आज भी उनके लिए 20 सीट्स ही रिजर्व्ड हैं । इस बार दोनों स्कीम्स में उनका बजट बिल्कुल खत्म कर दिया है । मेरा अनुरोध है कि उनको समय पर छात्रवृत्ति मिले और जो बजट काटा गया है, उसे उन्हें दिया जाए ।